P-02

बूबा
ला

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

लखनऊ • गोरखपुर • पटना • कानपुर • देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित

नई दिल्ली। बुधवार • 2 मार्च • 2016

स्कूलों की कैंटीन में मिलेगा ताजा व स्वादिष्ट आहार

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश के भविष्य हमारे बच्चे स्वस्थ रहे, इसके लिए यह जरुरी है कि स्कूलों की कैंटीन में उन्हें पौष्टिक आहार मिले। लिहाजा स्कूलों में विद्यार्थियों को फ्रूट वेजिटेबल सलाद, पोहा, उत्तपम, खांडवी, इडली, पनीर वेजिटेबल कटलेट, कठी रोटी रोल सरीखे पौष्टिक आहार दिए जाएं। शिक्षा निदेशालय ने मंगलवार को सभी स्कूलों के लिए गाइडलाइंस जारी कर स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए पौष्टिक आहार मुहैया कराने को कहा है। स्कूलों को कहा गया है कि कैंटीन में जो खाना या अन्य खाद्य सामग्रियां परोसी जाती हैं वह कम फैट, शुगर और सॉल्ट वाली होनी चाहिए। कारण यह है कि इनके चलते ही शरीर पर बुरा असर पड़ता है। स्कूलों को कहा गया है कि वह प्रार्थना सभा में इस बाबत विद्यार्थियों को जागरूक करें।

- शिक्षा निदेशालय ने कम फैट, शुगर व सॉल्ट वाले खाद्य पदार्थ पर दिया जोर
- प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को जागरूक करने को कहा
- स्कूलों के लिए जारी की गाइडलाइंस

निदेशालय द्वारा स्कूलों के लिए जारी गाइडलाइंस में कहा गया कि स्कूलों में खाने के पौष्टिक आहार के अलावा फ्रूट जूस, साइम सोडा, बादाम मिल्क, लस्सी व जलजीरा दिया जाए। स्कूलों को कहा गया है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों को ताजा खाने-पीने की चीजें मिले। महीने में एक बार प्रार्थना सभा में इस गाइडलाइंस को लेकर सभी को जागरूक किया जाए। इसके अलावा स्कूल के नोटिस बोर्ड पर भी इसको लेकर जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इसको लेकर स्कूल को ड्राइंग, पेंटिंग, स्लोगन राइटिंग और डिबेट भी करवाने को कहा गया है। ज्यादा जोर निचली क्लासेज को दिया गया है। पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रुमा पाठक ने कहा कि इस दिशा-निर्देशों के तहत हम स्कूलों में विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार ही मुहैया कराते हैं। इसके अलावा बच्चों और अभिभावकों को भी समय-समय पर जागरुक किया जाता है।

संतुलित पर लैंदी था अंग्रेजी का पेपर

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश भर में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गईं। बोर्ड की बारहवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों की पहला पेपर अंग्रेजी का था। सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार पेपर संतुलित था लेकिन परीक्षार्थियों के अनुसार परीक्षा में पहला सेक्शन जो कि रीडिंग सेक्शन था वह थोड़ा मुश्किल होने के साथ लैंदी भी था, जिसको पूरा करने में काफी समय लग गया। लिहाजा एक सेक्शन में ज्यादा समय लगने के चलते कुछ परीक्षार्थियों के कुछ प्रश्न छूट गये। वहीं दसवीं के परीक्षार्थियों का इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी का पेपर था।

- सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं शुरू

पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की अंग्रेजी विषय की सब्जेक्ट एक्सपर्ट अंजु खुराना व रोहिणी स्थित माउंट आबू पब्लिक स्कूल की सब्जेक्ट एक्सपर्ट त्रिपुरा मुल्तासी ने बताया कि अंग्रेजी का पेपर संतुलित था। अंजु खुराना ने बताया कि पेपर में पहला सेक्शन रीडिंग सेक्शन था, जो 30 अंकों का था। इसके बाद राइटिंग सेक्शन था, जो 30 अंकों का था। आखिरी व तीसरा सेक्शन लिट्रेचर पर आधारित था और यह कुल 40 अंकों का था। अंजु ने बताया कि पहले सेक्शन में नोट मेकिंग आया था, जो थोड़ा मुश्किल था। परीक्षार्थी विनायक आजाद, महीमा व आशीष ने बताया कि पहला सेक्शन लैंदी थी और इसे पूरा करने में सबसे ज्यादा समय लग गया। सब्जेक्ट एक्सपर्ट ने बताया कि इस कारण कुछ परीक्षार्थियों के प्रश्न भी छूट गये। परीक्षार्थी प्रत्युष के अनुसार दूसरे सेक्शन में लाइब्रेरी स्पीच थी, जो मुश्किल लगी। पेपर में नैतिक मूल्य से जुड़ा भी प्रश्न पूछा गया था। प्रश्न में शिक्षक द्वारा यह कहा जाता है कि सपने बड़े देखने चाहिए, लेकिन एक छात्रा ऐसे सपने देखने लगती है कि जो हकीकत में पूरे नहीं हो सकते। इसको लेकर प्रश्न पूछा गया था कि शिक्षिका छात्रा के सपने में क्या गलती निकालती है।